जपते रहो हरि नाम हो

जपते रहो हरि नाम हो.....
तुलसी जी का माला

1. कहवा से आवे राम से लक्ष्मण 2
कहवा से आवे हनुमान हो....
तुलसी जी का माला...

2. अवधपुरी से आवे राम से लक्ष्मण 2
लंका से हनुमान हो.....
तुलसी जी का माला...

3. काहे करन के आवे राम से लक्ष्मण 2
काहे करन हनुमान हो.....
तुलसी जी का माला.....

4. धनुष तोरन के आवे राम से लक्ष्मण 2
लंका जलावे हनुमान हो.....
तुलसी जी का माला.....

जपते रहो हरि नाम हो.....
तुलसी जी का माला.....

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33259/title/Japte-raho-Hari-man-ho

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |